

भारत में वैश्वीकरण: प्रभाव और विकल्प

पिछले दो दशकों के दौरान हमारे देश ने जबर्दस्त आर्थिक तरक्की की है। लेकिन इस कामयाबी का एक अंधकारमय पहलू भी है जो हमारी नजरों से ओझल या अनजान छूट गया है। मुल्क की आधी से ज्यादा आबादी या तो तरक्की की इस दौड़ में पीछे छूट गई है या इस तरक्की की कीमत चुका रही है। पर्यावरण को जो स्थायी नुकसान पहुंचा है सो अलग। वैश्विक विकास का मौजूदा ताना-बाना न तो पर्यावरणीय स्तर पर टिकाऊ है और न ही सामाजिक समानता के लिए अनुकूल है। ये हिंदुस्तान को और ज्यादा तीखे टकरावों व कष्टों की ओर धकेल रहा है। लेकिन दूसरी ओर हमारे सामने कई ऐसे वैकल्पिक तौर-तरीके और रास्ते भी हैं जिन पर चलते हुए हम धरती की सेहत को नुकसान पहुंचाए बिना एक ज्यादा समतापरक व खुशहाल भविष्य की तरफ बढ़ सकते हैं। यह रास्ता एक मूलभूत पर्यावरणीय लोकतंत्र का हिस्सा है।

प्रस्तुत प्रकाशन में सबसे पहले हमने भारत में वैश्वीकरण के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय आयामों के बारे में कुछ तथ्य दिए हैं। इसके बाद हमने उसके पर्यावरणीय प्रभावों का एक विस्तृत लेखा-जोखा तथा एक बेहतर भविष्य की ओर जाने वाले वैकल्पिक रास्ते सुझाए हैं।

Globalisation in India: Impacts and Alternatives

India's meteoric economic rise in the last two decades has been impressive. There is however a dark side to it, hidden or ignored. Well over half its people have been left behind or negatively impacted; and there have been irreversible blows to the natural environment. Globalised development as it is today is neither ecologically sustainable nor socially equitable, and is leading India to further conflict and suffering. There are, however, alternative approaches and practices, forerunners of a Radical Ecological Democracy that can take us all to higher levels of well-being, while sustaining the earth and creating greater equity.

This publication begins with some key facts on the economic, social, and environmental aspects of economic globalisation in India, then provides a more detailed assessment of the environmental impacts and of alternative paths to well-being.

English: 20 pages, Rs. 40

Hindi: 24 pages, Rs. 50

Kalpavriksh / कल्पवृक्ष

kalpavriksh.info@gmail.com

91—20—25670979, 25675450